ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 16 नवम्बर 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 193

सुप्रीम कोर्ट में CJI सूर्यकांत से भिड़ा वकील, बोला- आप इस कुर्सी पर बैठने लायक नहीं, कोर्ट रूम से निकाला



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को उस समय असहज स्थिति बन गई, जब एक वकील ने मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। वकील अपने खिलाफ चल रहे अवमानना के मामले में तत्काल सुनवाई चाहते थे। CJI ने उन्हें आवेदन पर विचार करने का भरोसा देते हुए कुछ देर इंतजार करने को कहा, लेकिन वकील नाराज हो गया। उसने यहां तक कह दिया कि CJI इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं और उनमें ईमानदारी नहीं है। घटना के बाद सुरक्षाकर्मी वकील को कोर्ट रूम से बाहर ले गए। घटना सोमवार दोपहर करीब दो बजे की है। CJI सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे। बताया गया कि वकील ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना अपना मामला अदालत के सामने रखने के लिए पहले माफी मांगी। इस पर जस्टिस वी. मोहना ने उन्हें स्पष्ट किया कि इस तरह मामले का उल्लेख नहीं किया जा सकता।

CJI सूर्यकांत ने वकील से कहा कि उनका आवेदन देखा जाएगा और उन्हें थोड़ा इंतजार करना चाहिए। इसी बात पर वकील भड़क गया। उसने CJI पर टिप्पणी करने के साथ पीठ के अन्य दोनों न्यायाधीशों के प्रति सम्मान भी जताया।

टिप्पणी के बाद बंद किया गया ऑडियो-वीडियो वकील की आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद अदालत की कार्यवाही का ऑडियो-वीडियो बंद कर दिया गया। कोर्ट में मौजूद वकीलों के अनुसार, कुछ देर बाद सुरक्षाकर्मी संबंधित वकील को कोर्ट रूम से बाहर ले गए। वहां मौजूद अन्य वकीलों ने CJI से इस व्यवहार पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। हालांकि, संबंधित वकील के खिलाफ आगे क्या कार्रवाई की गई, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। बताया गया कि वकील ने इससे पहले 2 नवंबर को CJI के चैंबर में भी आवेदन दिया था। वह अपने खिलाफ चल रहे अवमानना मामले की जल्द सुनवाई चाहता था।

पहले भी CJI के सामने हो चुका है हंगामा

सुप्रीम कोर्ट में इस तरह की घटना पहली बार नहीं हुई है। जुलाई में याचिकाकर्ता प्रबल प्रताप ने अदालत में हंगामा करते हुए CJI सूर्यकांत के खिलाफ अपशब्द कहे थे। उस समय CJI सूर्यकांत सुनवाई कर रही पीठ का हिस्सा नहीं थे। पीठ ने अवमानना की कार्रवाई शुरू करने से इनकार करते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता परेशान नजर आ रहा था और उसे स्वास्थ्य संबंधी कुछ समस्याएं थीं। इस घटना के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होने वाली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होने वाले याचिकाकर्ताओं का ऑडियो और वीडियो बंद करने की व्यवस्था शुरू की गई थी।

बिलकिस बानो मामले में उम्रकैद काट रहे दो दोषियों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, 17 साल से अधिक रहे जेल में

24 न्यूज अपडेट



नई दिल्ली। बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। अदालत ने उनकी सजा निलंबित करते हुए कहा कि दोनों 17 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं। इनमें से एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। कोर्ट ने दोनों को ट्रायल कोर्ट की ओर से तय शर्तों के आधार पर रिहा करने का आदेश दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने दोषी बिपिनचंद्र जोशी और प्रदीप मोधिया की याचिकाओं पर सुनवाई की। दोनों ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उनकी उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी।

बचाव पक्ष की दलील- एक का नाम एफआईआर में नहीं था

सुनवाई के दौरान दोषियों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने अदालत को बताया कि दोनों 17 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं। उन्होंने दलील दी कि एक दोषी का नाम शुरुआती एफआईआर में शामिल नहीं था और घटना के करीब तीन साल बाद उसे इस मामले में आरोपी बनाया गया था। बचाव पक्ष ने दूसरे दोषी की गंभीर दिव्यांगता का हवाला देते हुए भी राहत की मांग की। केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने जमानत याचिका का विरोध किया। उन्होंने कहा कि निचली अदालत और बॉम्बे हाईकोर्ट दोनों मामले से जुड़े साक्ष्यों पर विचार कर चुके हैं। अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषियों को राहत नहीं दी जानी चाहिए।

कुलगाम में तीन घंटे चली मुठभेड़, लश्कर के कमांडर लतीफ भट और साथी को घेरा; एक आतंकी का शव बरामद

24 न्यूज अपडेट



जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों ने सीआरपीएफ पोस्ट पर पांच दिन पहले हुए हमले के बाद शुरू किए गए तलाशी अभियान में दो आतंकियों को मार गिराया। मारे गए आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर शामिल बताए जा रहे हैं। हालांकि, उमर का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि लतीफ का शव अब तक नहीं मिला है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में उसके घायल होकर कहीं छिपे होने की आशंका जताई गई है। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। कश्मीर जोन पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि मुठभेड़ में लश्कर के घाटी में बचे एकमात्र कमांडर लतीफ भट और उसका साथी मारा गया। सेना के अधिकारी के अनुसार, आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने कुलगाम के लारू इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। संदिग्ध ठिकाने के करीब पहुंचते ही छिपे आतंकियों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई, जो करीब तीन घंटे चली। अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल के आसपास स्थित स्कूलों से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

15 सेकेंड में 30 राउंड फायरिंग कर भागे थे हमलावर

इससे पहले 11 नवंबर को कुलगाम के नौपोरा अखरान स्थित सीआरपीएफ कैंप के पास नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर बाइक सवार हमलावरों ने अचानक फायरिंग की थी। सीसीटीवी फुटेज में हमलावर करीब 15 सेकेंड में 30 राउंड गोलियां चलाते दिखाई दिए थे। हमले में सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन के तीन जवान घायल हुए थे। उनकी पहचान हेड कांस्टेबल सोमवीर और कांस्टेबल संतानो व राकेश दास के रूप में हुई थी। तीनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हमले के बाद से ही सुरक्षाबल हमलावरों की तलाश में अभियान चला रहे थे।

कई हमलों में शामिल होने का आरोप

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, लतीफ भट इस साल कुलगाम और अनंतनाग में हुए कई आतंकी हमलों में शामिल था। इनमें अनंतनाग के लाल चौक इलाके में पुलिसकर्मियों की हत्या और कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या की वारदातें भी शामिल बताई गई हैं। आठ नवंबर को श्रीनगर के लाल चौक क्षेत्र में लतीफ सहित चार वांछित आतंकियों के पोस्टर भी लगाए गए थे।

छह महीने में लश्कर के चार कमांडर ढेर

जम्मू-कश्मीर में पिछले छह महीनों के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के चार कमांडर मारे जा चुके हैं। इनमें लतीफ भट के अलावा जाकिर अहमद गनई, यासिर और मूसा उर्फ आसिफ फौजी शामिल हैं। जाकिर अहमद गनई आठ जुलाई को शोपियां में मारा गया था। यासिर चार सितंबर को ऑपरेशन असधर और मूसा उर्फ आसिफ फौजी 30 सितंबर को बडगाम में ऑपरेशन शेरुवाली के दौरान मारा गया था।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का खतरा, आंध्र-तमिलनाडु-ओडिशा में भारी बारिश का अलर्ट



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन सोमवार शाम तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसे 'अकवान' नाम दिया जाएगा। इसके आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ने की आशंका है। मौसम विभाग ने 16 से 21 नवंबर तक आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। तेज हवाओं और ऊंची समुद्री लहरों के खतरे को देखते हुए मछुआरों को 20 नवंबर तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। इधर, राजस्थान में दो दिन हुई बारिश के बाद सोमवार को ठंड बढ़ गई। उत्तर प्रदेश के 21 जिलों में कोहरा छाया रहा। उत्तराखंड के केदारनाथ-बद्रीनाथ सहित चारों धामों में बर्फबारी हुई। हिमाचल के किन्नौर और जम्मू-कश्मीर की माछिल घाटी में भी बर्फ की चादर बिछ गई।

दिल्ली में AQI 216, अमेरिकी स्केल पर 800 का दावा

दिल्ली-NCR में प्रदूषण की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। सोमवार सुबह दिल्ली का औसत AQI 216 दर्ज किया गया, जबकि सिरी फोर्ट में यह 346 तक पहुंचा। वहीं, AQI.IN के अमेरिकी वायु गुणवत्ता स्केल के अनुसार दिल्ली का AQI 800 बताया गया है।

फिर अबकी बार शाही जय-जयकार, आईसीसी की कमान फिर जय शाह के हाथ



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय प्रशासनिक नेतृत्व का दबदबा एक बार फिर कायम हुआ है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व सचिव जय शाह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का लगातार दूसरी बार चेयरमैन चुन लिया गया है। इंडोनेशिया के बाली में हुई आईसीसी बोर्ड की बैठकों के बाद 16 नवंबर को उनके पुनर्निर्वाचन की आधिकारिक घोषणा की गई। शाह इस बार भी निर्विरोध चुने गए हैं। उनका दूसरा कार्यकाल दो साल का होगा। 36 नहीं, अब 38 वर्ष के हो चुके जय शाह ने दिसंबर 2024 में पहली बार आईसीसी चेयरमैन का पद संभाला था। उन्होंने न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का स्थान लिया था। पहली बार चेयरमैन बनने के समय वे 35 वर्ष की उम्र में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे युवा व्यक्ति बने थे। दूसरे कार्यकाल के साथ वे वैश्विक क्रिकेट प्रशासन में अपनी नेतृत्वकारी भूमिका जारी रखेंगे।

ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी पर रहेगा विशेष फोकस

दूसरे कार्यकाल में जय शाह के सामने क्रिकेट के वैश्विक विस्तार की बड़ी चुनौती होगी। वर्ष 2028 में लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी आईसीसी के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। इस आयोजन के जरिए क्रिकेट को नए दर्शकों और देशों तक पहुंचाने की योजना है। इसके अलावा महिला क्रिकेट को बढ़ावा देना, एसोसिएट देशों को अधिक अवसर देना, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को मजबूत करना और खेल की व्यावसायिक संभावनाओं का विस्तार करना भी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

पुनर्निर्वाचन के बाद जय शाह ने कहा कि आईसीसी चेयरमैन के रूप में काम करना उनके लिए सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। वे सभी सदस्य देशों के साथ मिलकर क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी नए दर्शकों और नई पीढ़ी तक पहुंचने का असाधारण अवसर है। खेल का भविष्य मजबूत बनाने के लिए खिलाड़ियों, प्रशंसकों और व्यावसायिक साझेदारों सहित सभी पक्षों के हितों का ध्यान रखना जरूरी है।

आईसीसी की कमान संभालने वाले पांचवें भारतीय

जय शाह आईसीसी का नेतृत्व करने वाले पांचवें भारतीय हैं। उनसे पहले जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर इस वैश्विक क्रिकेट संस्था के शीर्ष पद पर रह चुके हैं। इनमें शशांक मनोहर भी लगातार दो कार्यकाल तक आईसीसी चेयरमैन रहे थे। वे मई 2016 में पहली बार चेयरमैन चुने गए और मई 2018 में दोबारा निर्विरोध निर्वाचित हुए। उनका दूसरा कार्यकाल जून 2020 में पूरा हुआ। इस तरह लगातार दो कार्यकाल संभालने वाले भारतीयों में जय शाह दूसरे हैं।

अहमदाबाद से शुरू हुआ था क्रिकेट प्रशासन का सफर

जय शाह का क्रिकेट प्रशासन में सफर वर्ष 2009 में अहमदाबाद के केंद्रीय क्रिकेट बोर्ड से शुरू हुआ था। सितंबर 2013 में वे गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव बने। वर्ष 2019 में उन्होंने बीसीसीआई के सचिव पद की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद जनवरी 2021 में एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष बने और 2022 में आईसीसी की वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति के चेयरमैन नियुक्त किए गए। दिसंबर 2024 में आईसीसी के शीर्ष पद पर पहुंचने के बाद अब दूसरी बार निर्विरोध चयन के साथ उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रशासनिक सफर को नया विस्तार मिला है



संपादकीय : संतुलन का तकाजा

पिछले कई महीनों से वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में जिस तरह की अस्थिरता छाई हुई है, उसमें अमूमन सभी देशों के सामने अपनी अर्थव्यवस्था को संतुलित और सकारात्मक रख पाना एक चुनौती बना हुआ है। खासतौर पर भारत जैसे विकासशील देश के सामने मुश्किल यह खड़ी हो जाती है कि वे आयात और निर्यात की स्थिति के मुताबिक अपने व्यापार घाटे को कैसे नियंत्रित करते हैं। इस लिहाज से देखें तो भारत में इस साल अक्तूबर में निर्यात और आयात के आंकड़े अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव के कई संकेत देते हैं। अक्तूबर महीने में वस्तुओं का निर्यात सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, वहीं आयात में भी रिकार्ड स्तर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने वस्तुओं का निर्यात बढ़ कर 49.47 अरब डालर हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 34.11 अरब डालर था। दूसरी ओर, सेवाओं का निर्यात भी अक्तूबर 2025 के 35.17 अरब डालर से बढ़ कर 40.51 अरब डालर हो गया। महंगाई और रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों में बढ़ोतरी की संभावना के बीच आयात और निर्यात के ये आंकड़े बताते हैं कि भारत के सामने अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर या सकारात्मक बनाए रखने के लिए एहतियाती कदम उठाने की चुनौती कायम है। दरअसल, मासिक निर्यात में इस बार रिकार्ड वृद्धि की मुख्य वजह रिफाइंड पेट्रोलियम, इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रानिक्स और रत्न तथा आभूषण जैसे उत्पादों का बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है। हालांकि ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद पश्चिम एशिया में उपजे संकट के बीच भारत को तेल और खाद सहित अन्य वस्तुओं के आयात के मोर्चे पर भी नई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। खासतौर पर पेट्रोलियम उत्पादों के आयात के लिए भारत को खाड़ी देशों के बजाय अन्य विकल्पों की ओर देखना पड़ा है। साथ ही होर्मुज जलमार्ग में अड़चन की वजह आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के बीच भारत में वस्तुओं का आयात भी पांच वर्ष के रिकार्ड स्तर 90 अरब डालर पर पहुंच गया। जाहिर है, इससे वस्तुओं का व्यापार घाटा इस माह करीब चालीस अरब डालर हो गया। यह घाटा इस कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक है। आयात में बढ़ोतरी का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों के साथ-साथ इलेक्ट्रानिक्स और मशीनरी के दाम में इजाफा है। एक महीने में अब तक की सबसे ज्यादा वृद्धि और किसी भी महीने में वस्तुओं के सबसे ज्यादा निर्यात से उपजे उत्साह के बीच व्यापार घाटा के आंकड़े संतुलन के तकाने को दर्शाते हैं। विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों में व्यापार घाटे से जुड़े प्रभाव कई बार सकारात्मक भी हो सकते हैं। दरअसल, जब एक देश द्वारा खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य अन्य देशों को बेचे जाने वाले वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य से अधिक होता है, तो इसे व्यापार घाटा के तौर पर देखा जाता है। इसके तात्कालिक राहत हो सकते हैं, लेकिन अनियंत्रित व्यापार घाटा आर्थिक कमजोरियों का वाहक बनता है। बल्कि दीर्घकालिक और बड़े व्यापार घाटे किसी देश की अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक भी साबित होते हैं। इस तरह हालात पैदा होने में सबसे बड़ी भूमिका ऐसे देशों पर निर्भरता होती है, जो कई बार अपनी सुविधा के मुताबिक आयात और निर्यात की आर्थिक शर्तों को निर्धारित करने का प्रयास करते हैं इसलिए भारत को आवत और नियंत, दोनों मोची पर अपने लिए बेहतर विकल्प तैयार करने की जरूरत है, ताकि व्यापार घाटे की दिशा संतुलित और सकारात्मक रहे।

विचित्र कार्रवाई

साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे से निपटना राज्य सरकार की अनिवार्य जिम्मेदारी है, लेकिन जब अपराधियों तक पहुंचने में तंत्र की अक्षमता का बोझ निर्दोष नागरिकों पर डाल दिया जाए, तब इससे कानून के शासन की धारणा खंडित होती है। आज बैंक खाते केवल धन जमा करने का साधन नहीं है। वे व्यक्ति की आजीविका, व्यवसाय, सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय अस्तित्व का आधार है। ऐसे में किसी खाते को फ्रीज कर देना नागरिक के आर्थिक जीवन को रोक देना है। समस्या तब गंभीर हो जाती है जब यह कार्रवाई वर्षों तक चलती रहे और पीड़ित को यह तक न बताया जाए कि आखिर उसका अपराध क्या है, जांच कहां तक पहुंची है और राहत कब मिलेगी। डिजिटल इंडिया के दौर में व्यवस्था अपराधियों की तुलना में पीड़ितों पर ही अधिक कठोर दिखाई देती है। साइबर ठग किसी का भी आधार, मोबाइल या बैंक विवरण चुराकर अपराध कर बैठते हैं, लेकिन सबसे पहले संदेह और दंड उस व्यक्ति के हिस्से में आता है, जिसकी पहचान का दुरुपयोग हुआ होता है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से ऐसी व्यवस्था बनाने को कहा है, जिससे साइबर अपराध के शिकार नागरिकों को अनिश्चितकाल तक आर्थिक बंदी बनाकर न रखा जाए। यह मामला बताता है कि साइबर अपराध से निपटने की मौजूदा व्यवस्था में जवाबदेही का अभाव किस स्तर तक फैला हुआ है। अपराधी अक्सर पकड़ से बाहर रहते हैं, जबकि पीड़ित स्वयं अपनी बेगुनाही सिद्ध करने में वर्षों गंवा देता है। यह स्थिति केवल तकनीकी खामी नहीं, बल्कि जवाबदेही के संकट का भी प्रमाण है। पुलिस, साइबर प्रकोष्ठ और बैंकिंग तंत्र के बीच समन्वय का अभाव नागरिक अधिकारों पर सीधा आघात बन रहा है। खाता फ्रीज करने की प्रक्रिया तो त्वस्ति है, लेकिन उसकी समीक्षा, समय-सीमा और निस्तारण की कोई समान एवं प्रभावी व्यवस्था नहीं दिखती। सरकार यदि डिजिटल लेनदेन पर नागरिकों का भरोसा बनाए रखना चाहती है, तो उसे तत्काल ऐसी व्यवस्था करनी होगी जिसमें निर्दोष व्यक्ति अनिश्चितकाल तक आर्थिक बंदी न बना रहे। साइबर अपराध पर सख्ती आवश्यक है, पर न्याय का मूल सिद्धांत यह है कि अपराधी दंडित हो, पीड़ित नहीं।

लेकसिटी में सड़क हादसों में मरने वाले अधिकतर 18 से 45 वर्ष के पुरुष, 53 ब्लैक स्पॉट पर सुधरेगा सड़क ढांचा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 नवंबर। सड़क हादसों में जान गंवाने वालों की संख्या कम करने के लिए अब जिला प्रशासन ने 25 प्रतिशत तक मौतें घटाने का लक्ष्य तय किया है। लेकिन इस लक्ष्य के सामने सबसे बड़ी चुनौती युवाओं की लापरवाही, दुपहिया वाहनों से होने वाले हादसे और सड़कों की खामियां हैं। जिले में दुर्घटनाओं के आंकड़ों की समीक्षा में सामने आया कि हादसों में सबसे अधिक जान 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष गंवा रहे हैं। प्रशासन ने अब जागरूकता से लेकर कार्रवाई और सड़क इंजीनियरिंग तक एक साथ मोर्चा खोलने की तैयारी की है।

जिला कलक्टर के निर्देशन में सोमवार को कलक्ट्रेट मिनी सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा की अध्यक्षता में हुई। इसमें डिस्ट्रिक्ट रोड सेफ्टी एक्शन प्लान की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से काम करने के निर्देश दिए गए। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता एवं समिति के सदस्य सचिव अचल गुप्ता ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े आंकड़े और प्रस्तावित कार्ययोजना प्रस्तुत की। बैठक में शिक्षा, चिकित्सा, परिवहन, यूडीए, नगर निगम, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा आधार फाउंडेशन के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

दुपहिया वाहन और युवा सबसे ज्यादा जोखिम में

समीक्षा में सामने आया कि जिले में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाएं दुपहिया वाहनों से हो रही हैं। हादसों में जान गंवाने वालों में 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के पुरुषों की संख्या सबसे अधिक है। इसे देखते हुए हेलमेट के अनिवार्य उपयोग, यातायात नियमों की पालना और युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशासन का मानना है कि केवल चालान से स्थिति नहीं बदलेगी, इसके लिए व्यवहार में बदलाव भी जरूरी है।

हर स्कूल में रोड सेफ्टी क्लब, बिना लाइसेंस वाहन चलाने पर निगरानी

एडीएम ओझा ने माध्यमिक शिक्षा विभाग को प्रत्येक स्कूल में रोड सेफ्टी क्लब गठित करने और नियमित जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। स्कूलों में दुपहिया वाहन लेकर आने वाले विद्यार्थियों के ड्राइविंग लाइसेंस और हेलमेट की जांच होगी। नाबालिगों के वाहन चलाने के मामलों में अभिभावकों से संपर्क कर समझाइश की जाएगी। सड़कों पर स्टंट करने वाले युवाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई करने तथा बार-बार नियम तोड़ने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश भी दिए गए।

53 ब्लैक स्पॉट पर रोड इंजीनियरिंग सुधारने के निर्देश

बैठक में पुलिस अधीक्षक के माध्यम से चिह्नित 53 ब्लैक स्पॉट पर भी चर्चा हुई। संबंधित विभागों को इन स्थानों पर जरूरी रोड इंजीनियरिंग सुधार, चेतावनी संकेतक और अन्य सुरक्षा इंतजाम करने को कहा गया। राष्ट्रीय राजमार्गों पर चिह्नित अतिक्रमण हटाने की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित कार्रवाई जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए।

चिरवा टनल में आतिशबाजी करने वालों पर एफआईआर के निर्देश

दीपावली के दौरान चिरवा टनल में आतिशबाजी का वीडियो वायरल होने के मामले को भी प्रशासन ने गंभीरता से लिया। एडीएम ने एनएचएआई अधिकारियों से संबंधित वीडियो के साथ रिपोर्ट मांगी है। पुलिस को वीडियो के आधार पर आतिशबाजी करने वालों की पहचान कर एफआईआर दर्ज करने और सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरंग में इस तरह की हरकत से गुजरने वाले वाहन चालकों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

पांच घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का समापन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। लोक आस्था, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक चार दिवसीय छठ महापर्व सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। भोर की पहली किरण के साथ शहर के पांच प्रमुख घाटों पर श्रद्धा का अनूठा दृश्य नजर आया। व्रती महिलाओं ने जल में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु तथा लोककल्याण की कामना की। पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण कर महिलाओं ने 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत खोला। गोवर्धन सागर, फतेहसागर के देवाली छोर, रानी रोड, दूध तलाई और स्वरूप सागर घाट पर तड़के से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। बिहार समाज समिति और छठ पूजा संयुक्त समारोह समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रमों में हजारों लोगों ने भाग लिया। घाटों पर पारंपरिक वेशभूषा में पहुंची व्रती महिलाओं ने सूप और डलिया में घर पर तैयार ठेकुआ, मौसमी फल, गन्ना, अदरक और हल्दी सजाकर विधि-विधान से पूजा की। अर्घ्य के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया।

डूबते सूर्य को अर्घ्य से शुरू हुआ समापन का सिलसिला

महापर्व के तीसरे दिन रविवार शाम को व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा की थी। गोवर्धन सागर पाल पर हुए मुख्य आयोजन में भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह और महापौर पारस सिंघवी भी पहुंचे। उन्होंने छठी मैया और सूर्यदेव की आराधना कर प्रवासी समाज के लोगों को पर्व की शुभकामनाएं दीं। सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिनों से चल रहे अनुष्ठान का समापन हुआ।

एक हजार से हजारों तक पहुंचा छठ का विस्तार

छठ पूजा संयुक्त समारोह समिति के अध्यक्ष अशेश्वर साहनी ने बताया कि उदयपुर में करीब 25 साल पहले फतेहसागर के देवाली छोर पर लगभग एक हजार लोगों के साथ छठ पूजा की शुरुआत हुई थी। शुरुआती दौर में घाटों पर पर्याप्त सुविधाएं नहीं थीं। श्रद्धालुओं को कीचड़ के बीच खड़े होकर अर्घ्य देना पड़ता था। समय के साथ आयोजन का विस्तार हुआ और अब शहर में पांच प्रमुख घाटों पर पक्की एवं साफ-सुथरी व्यवस्थाओं के बीच पूजा होती है। उदयपुर में बिहार और उत्तर प्रदेश के करीब 18 हजार लोग रहते हैं। इनमें से लगभग 90 प्रतिशत परिवार छठ महापर्व मनाते हैं। यही वजह है कि अब यह पर्व प्रवासी समाज के पारिवारिक आयोजन से आगे बढ़कर शहर के सांस्कृतिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

उदयपुर के चार खिलाड़ी राजस्थान की जूनियर रोलबॉल टीम में चयनित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला रोलबॉल संघ के चार खिलाड़ियों का राजस्थान की जूनियर (अंडर-17) टीम में चयन हुआ है। निर्वाण लालवानी, वंशिका जैन, रिया असवानी और ध्रुविका माहेश्वरी तमिलनाडु के कोयंबटूर में होने वाली जूनियर नेशनल रोलबॉल चैंपियनशिप 2026-27 में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। संघ सचिव घनश्याम सिंह राजपुरोहित ने बताया कि खिलाड़ियों का चयन उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और नियमित अभ्यास के आधार पर हुआ है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सितंबर में श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय रोलबॉल सीरीज में उदयपुर के पांच खिलाड़ियों ने भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए स्वर्ण पदक जीते थे। चयन पर जिला रोलबॉल संघ और प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

उदयपुर के पहलवान मोहम्मद जीशान का विश्व चैंपियनशिप के लिए चयन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के पहलवान मोहम्मद जीशान ने नई दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में 14 व 15 नवंबर को आयोजित ऑल इंडिया ट्रेडिशनल रेसलिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। जीशान ने 54 किलोग्राम भार वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की। अखाड़ा संचालक डॉ. हरीश राजोरा ने बताया कि विश्व चैंपियनशिप 18 से 20 दिसंबर तक गोवा में होगी, जिसमें जीशान भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे डॉ. हरीश राजोरा, महेंद्र राजोरा, रवि चौहान और एनआईओएस कोच अहद अहमद के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनकी सफलता पर खेल जगत और कुश्ती प्रेमियों ने खुशी जताते हुए बधाई दी।

खेलों के मैदान पर जुटेगा डांगी पटेल समाज, मनवाखेड़ा में होगा 39वीं प्रतियोगिता का आयोजन

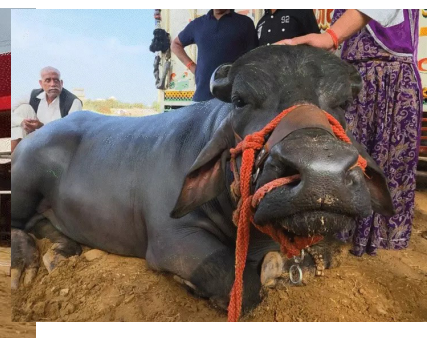


24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को हुनर दिखाने का मौका देने और समाज के युवाओं को एक मंच पर लाने की तैयारी शुरू हो गई है। डांगी पटेल समाज की 39वीं खेलकूद प्रतियोगिता इस बार उदयपुर के समीपवर्ती गांव मनवाखेड़ा में आयोजित होगी। आयोजन की जिम्मेदारी मिलने के बाद गांव में तैयारियों को लेकर गतिविधियां शुरू हो गई हैं। प्रतियोगिता की रूपरेखा तय करने के लिए मनवाखेड़ा नवयुवक मंडल की बैठक खेड़ा देवी मंदिर परिसर में हुई। इसमें क्रिकेट, कबड्डी, वॉलीबॉल और रस्साकसी के मुकाबलों के साथ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित करने पर सहमति बनी। गांव के विष्णु पटेल ने बताया कि मनवाखेड़ा में इससे पहले भी दो बार इस प्रतियोगिता का आयोजन हो चुका है। इस बार ग्रामीण सामूहिक भागीदारी से आयोजन को यादगार बनाने की तैयारी कर रहे हैं। प्रतियोगिता में उदयपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से डांगी पटेल समाज की टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजन में ग्रामवासियों के साथ खेल संरक्षक संघ की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। प्रतियोगिता के जरिए खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलने के साथ युवाओं में खेल भावना, आपसी मेलजोल और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा मिलेगा।

21 करोड़ का गोल्डन किंग, 100 बाउंसरों के घेरे में बादल; पुष्कर मेले में पशुओं का शाही जलवा





24 न्यूज अपडेट

पुष्कर। पुष्कर के रेतीले धोरों में इस बार पशुओं का मेला केवल ऊंटों की चाल और घोड़ों की टाप तक सीमित नहीं है। यहां कोई 21 करोड़ रुपये की कीमत वाले घोड़े के दावे के साथ पहुंचा है तो कोई अपने घोड़े की शाही अगवानी के लिए 100 बाउंसरों का काफिला लेकर आया है। 800 किलो वजनी भैंसा अपनी कद-काठी से लोगों को चौंका रहा है, तो महज 14 इंच की पुंगनूर गाय अपनी नन्ही काया के कारण लोगों की उत्सुकता का केंद्र बनी हुई है। देशी नस्लों से लेकर यूरोप की शेटलैंड पोनी तक, इस बार मेले में पशुधन की विविधता और ठाठ दोनों देखने को मिल रहे हैं। गुजरात के सूरत से आया मारवाड़ी नस्ल का घोड़ा 'गोल्डन किंग' मेले के सबसे चर्चित आकर्षणों में है। इसके मालिक ने इसकी कीमत 21 करोड़ रुपये बताई है। पांच साल के इस घोड़े का रंग क्रिमिनो है और ऊंचाई 65 इंच है। मालिक का दावा है कि देश में इस रंग का यह इकलौता मारवाड़ी घोड़ा है। इससे अब तक छह बच्चे हो चुके हैं और इसकी ब्रीडिंग फीस करीब डेढ़ लाख रुपये रखी गई है। खास बात यह है कि मालिक इसे बेचने के इरादे से नहीं, बल्कि मेले में प्रदर्शन के लिए लेकर आए हैं।

सुल्तान का बेटा, 800 किलो का छोटा सुल्तान

ग्वालियर से पहुंचा मुर्रा नस्ल का भैंसा 'छोटा सुल्तान' भी अपनी विशाल कद-काठी के कारण चर्चा में है। मशहूर भैंसे सुल्तान का बेटा बताया जा रहा छोटा सुल्तान करीब 800 किलो वजनी और नौ फीट लंबा है। इसकी ऊंचाई पांच फीट सात इंच बताई गई है। मालिक ने इसकी कीमत 25 लाख रुपये बताई है।

14 इंच की गाय और स्कॉटलैंड की पोनी

जयपुर के पशुपालक अभिनव तिवारी पुंगनूर, मिनी माउस और विच्चूर नस्ल की छोटी गायें लेकर पहुंचे हैं। इनमें पुंगनूर गाय की ऊंचाई महज 14 इंच बताई गई है, जो प्रतिदिन करीब तीन लीटर दूध देती है। मिनी माउस नस्ल की गाय 15 से 20 इंच की होती है और तीन से पांच लीटर तक दूध दे सकती है। विच्चूर नस्ल की गाय की ऊंचाई 25 से 28 इंच बताई गई है। तिवारी के अनुसार इन नस्लों को कम जगह और अपेक्षाकृत कम खर्च में पाला जा सकता है। पुंगनूर गाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पसंदीदा नस्लों में भी शामिल है। इसी पशु प्रदर्शनी में यूरोप के स्कॉटलैंड के शेटलैंड द्वीप समूह से जुड़ी शेटलैंड पोनी भी आकर्षण बनी हुई है। छोटे कद और मजबूत शरीर वाली यह नस्ल कभी खेतों में काम करने और कोयला खदानों में सामान ढोने के लिए इस्तेमाल होती थी। आज इसका उपयोग बच्चों की सवारी और गाड़ी खींचने के साथ मेलों में प्रदर्शन के लिए किया जाता है।

100 बाउंसरों के घेरे में बादल का जुलूस

केकड़ी के राहुल जेतवाल का छह साल का सफेद नुगरा नस्ल का घोड़ा 'बादल' भी किसी शाही मेहमान से कम नहीं रहा। 70 इंच ऊंचे बादल की मेले में एंट्री के दौरान निजी बाउंसरों का सुरक्षा घेरा, ढोल-नगाड़े और स्वागत में उड़ाई गई नोटों की गड्डियां चर्चा का विषय बनीं। करीब एक किलोमीटर लंबे जुलूस में बादल के साथ न्यू बादल और विश्वास नाम के दो अन्य सफेद घोड़े भी शामिल रहे।

मंगलवार से औपचारिक शुरूआत, 52 घाटों पर दीपदान

पशुपालन विभाग के अनुसार रविवार तक मेले में 7,598 पशुओं की आवक हो चुकी थी। इनमें 4,150 घोड़े और 3,411 ऊंट शामिल हैं। मंगलवार, 17 नवंबर को सुबह 10 बजे जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर मेला मैदान में झंडारोहण करेंगे। शाम को पुष्कर सरोवर के 52 घाट दीपदान से जगमगाएंगे। मेला स्टेडियम में 'वॉयस ऑफ पुष्कर' कार्यक्रम के तहत स्थानीय गायक प्रस्तुतियां देंगे और विभिन्न जिलों से आए कलाकार पारंपरिक लोक कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। विदेशी पर्यटकों की मौजूदगी भी मेले की रौनक बढ़ा रही है।

अमिताभ-अभिषेक बच्चन को गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों की धमकी, बोला- बुलेटप्रूफ केबिन भी नहीं बचा पाएंगे



24 न्यूज अपडेट

मुंबई। गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को जान से मारने की धमकी दी है। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर उसने दावा किया कि दिल्ली पुलिस की गिरफ्त में आए उसके दो साथियों के बावजूद अमिताभ बच्चन को निशाना बनाने की कथित साजिश नहीं रुकी है। उसने मुंबई में अपने करीब 200 साथी सक्रिय होने की बात भी कही। पोस्ट में धमकी दी गई कि बुलेटप्रूफ सुरक्षा इंतजाम भी उन्हें नहीं बचा पाएंगे। अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित घर पर फायरिंग की साजिश रचने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो दिन पहले दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार किया था। इनकी पहचान जालंधर निवासी विकास ठाकुर और तरनतारन निवासी दीपक सिंह के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुंबई पुलिस की मदद से दोनों को पकड़ा था।

1984 के सिख दंगों से जुड़े कथित बयान को लेकर निशाना बनाने की आशंका पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर अमिताभ बच्चन को वर्ष 1984 के सिख दंगों से जुड़े उनके कथित बयान के कारण निशाना बनाना चाहता था। कुछ सिख संगठनों और दंगों की गवाह जगदीश कौर ने आरोप लगाया था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 31 अक्टूबर 1984 को अमिताभ बच्चन ने दिल्ली के एम्स के बाहर भीड़ को उकसाया था। शिकायतकर्ताओं का दावा था कि उन्होंने दूरदर्शन के लाइव प्रसारण के दौरान 'खून का बदला खून' जैसे नारे लगाए थे। हालांकि, अमिताभ बच्चन ऐसे बयान देने से इनकार कर चुके हैं और कथित प्रसारण का कोई आधिकारिक वीडियो सार्वजनिक नहीं हुआ है।

पोस्ट में गिरफ्तार साथियों को अपना बताया

गोल्डी ढिल्लों ने सोशल मीडिया पोस्ट में विकास ठाकुर और दीपक सिंह को अपना साथी बताते हुए कहा कि उन्हें किसी दूसरे गैंग से जोड़कर न देखा जाए। उसने दावा किया कि दोनों की गिरफ्तारी से कोई वारदात नहीं टली है और मुंबई में उसके अन्य साथी तैयार हैं। पोस्ट में 1984 के दंगों के दोषियों को कभी माफ नहीं करने और सिख समुदाय के खिलाफ बोलने वालों को दुश्मन मानने की बात भी लिखी गई है।

होटल में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर पुलिस की दबिश, सात युवक गिरफ्तार; दो युवतियां नारी निकेतन भेजीं



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। गोमती चौराहे पर राष्ट्रीय राजमार्ग-58 स्थित सालासर बालाजी होटल में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर चारभुजा पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से सात युवकों को गिरफ्तार किया, जबकि वहां मिली दो युवतियों को सुरक्षा की दृष्टि से उदयपुर स्थित नारी निकेतन भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार डीएसटी को होटल में संदिग्ध गतिविधियां होने की सूचना मिली थी। इस पर चारभुजा थानाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस जाब्ता डीएसटी टीम के साथ होटल पहुंचा और जांच शुरू की। वहां कुछ युवक और युवतियां संदिग्ध परिस्थितियों में मिले। पुलिस ने युवकों से होटल में आने का कारण पूछा तो वे कथित तौर पर आक्रोशित हो गए। आरोप है कि उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और धमकियां देने लगे। मौके पर शांति भंग होने की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने सातों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक ओड़ा, बाघाणा, बरार, लाखा का गुड़ा, रतना गुड़ा और मांडावाड़ा क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने सभी सात आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से आदेश मिलने पर उन्हें जिला कारागृह राजसमंद भेज दिया गया। वहीं, मौके पर मिली दोनों युवतियों को कार्यपालक मजिस्ट्रेट गढ़बोर के समक्ष पेश किया गया। इसके बाद सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें उदयपुर स्थित नारी निकेतन भेजा गया।

पर्यटकों को घेरकर होटल, शॉपिंग और साइट सीन के लिए करते थे परेशान, पांच के खिलाफ केस

24न्यूज अपडेट

उदयपुर। पर्यटन नगरी में पर्यटकों को घुमाने, होटल में ठहराने और सस्ती दरों पर खरीदारी कराने के नाम पर परेशान करने वालों के खिलाफ सूरजपोल थाना पुलिस ने कार्रवाई की है। शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के मना करने के बावजूद बार-बार आग्रह करने और उन्हें अनावश्यक रूप से रोकने के आरोप में पांच व्यक्तियों के खिलाफ राजस्थान पर्यटन व्यवसाय अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस के अनुसार रंगनिवास, समोर बाग, गुलाब बाग और गुलाब बाग रोड पर अलग-अलग कार्रवाई की गई। यहां संबंधित व्यक्ति पर्यटकों को शहर भ्रमण कराने, होटल में ठहराने और सस्ती दरों पर खरीदारी कराने का प्रस्ताव देकर अपने साथ चलने के लिए बार-बार दबाव बना रहे थे। पर्यटकों के मना करने के बावजूद वे उन्हें साइट सीन और शॉपिंग के लिए परेशान कर रहे थे। पुलिस ने इन मामलों में संजय उर्फ सतु (37) निवासी गवर्नमेंट प्रेस कॉलोनी, किशनपोल, यशपाल सिंह (60) निवासी मालातों का बड़िया, जवाजा (ब्यावर), मोहम्मद साजिद (30), शराफत (38) निवासी बड़ी मस्जिद के पास नूरी चौक, खांजीपीर तथा अनफ हुसैन (22) निवासी इमली चौक, कुंजरवाड़ी के खिलाफ कार्रवाई की है। पांचों के विरुद्ध राजस्थान पर्यटन व्यवसाय अधिनियम 2010 की धारा 13(1) व 13(2) के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से पर्यटन स्थलों पर सैलानियों को अनावश्यक रूप से रोककर परेशान करने वालों को स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की गई है।

तालाब में नहाने गए व्यक्ति की डूबने से मौत, तलाश करने पहुंचे परिजनों को पानी में मिला शव

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। सदर थाना क्षेत्र के पालदेवल गांव में तालाब में नहाने गए जयमिथुन की डूबने से मौत हो गई। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजन उनकी तलाश में तालाब पहुंचे, जहां किनारे कपड़े और जूते मिलने के बाद पानी में खोजबीन की गई। परिजनों ने उनका शव तालाब से बाहर निकाला। सदर थाने के एएसआई गिरिराज सिंह ने बताया कि मृतक के बेटे मनीष कोटेड की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार जयमिथुन नहाने के लिए गांव के तालाब पर गए थे। देर तक वापस नहीं आने पर उनकी पत्नी जया पड़ोसियों के साथ उन्हें तलाशते हुए तालाब पहुंचीं। वहां कपड़े और जूते तो मिले, लेकिन जयमिथुन का पता नहीं चला। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों ने पानी में तलाश की और शव बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महुआ और हथकड़ शराब के अवैध कारोबार पर कार्रवाई, चार थानों में पांच प्रकरण दर्ज

24न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले में अवैध शराब के कारोबार और बिना वैध दस्तावेज शराब के परिवहन के खिलाफ पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की है। झाड़ोल, कल्याणपुर और पहाड़ा थाना क्षेत्रों में की गई कार्रवाई में देशी महुआ शराब और हथकड़ शराब के मामले सामने आए हैं। पुलिस ने राजस्थान आबकारी अधिनियम के तहत पांच प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस के अनुसार झाड़ोल थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की गई। मोहम्मद फलासिया एनीकट के पास एक व्यक्ति को बिना वैध दस्तावेज देशी महुआ शराब बेचते पकड़ा गया। वहीं अमरपुरा क्षेत्र में अवैध हथकड़ शराब अपने कब्जे में रखकर परिवहन करने का मामला सामने आया। इन मामलों में गणेशलाल पुत्र शंकरलाल निवासी गोहम्मद फलासिया तथा नाथूलाल पुत्र अम्बावाजी वडेरा निवासी अमरपुरा के नाम सामने आए हैं। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के देपुर में पुलिस ने बिना वैध दस्तावेज देशी हथकड़ शराब का परिवहन करते एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की। इस मामले में धनेश पुत्र राजेग निवासी देपुर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार उसके कब्जे से करीब सात लीटर हथकड़ शराब बरामद की गई, जिसकी कीमत लगभग 700 रुपए बताई गई है। पहाड़ा थाना क्षेत्र में भी अवैध रूप से देशी हथकड़ शराब रखने और परिवहन का मामला दर्ज किया गया है। इस प्रकरण में मारू पुत्र माणाजी मीणा (42) निवासी असारीवाड़ा फला डामोरवाड़ा के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने संबंधित मामलों में राजस्थान आबकारी अधिनियम की धारा 16/54 के तहत प्रकरण दर्ज किए हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

मां-बेटी के साथ मारपीट, तीन महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर। अम्बामाता थाना क्षेत्र के हरिदासजी की मगरी में मां-बेटी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने तीन महिलाओं के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बी-30 हरिदासजी की मगरी निवासी दुर्गा देवी ओठ ने रिपोर्ट दी कि खुमाणी बाई, खुशबू और किरण ने उनके तथा उनकी बेटी के साथ मारपीट की। घटना 13 नवंबर की रात की बताई गई है। परिवादिया की लिखित रिपोर्ट पर अम्बामाता थाना पुलिस ने 15 नवंबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 126(2) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया। प्रकरण में हेड कांस्टेबल रमाशंकर अनुसंधान कर रहे हैं।

बाइक की टक्कर से हादसा, चालक के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर। ऋषभदेव थाना क्षेत्र के रायणा गांव में बाइक चालक की कथित लापरवाही से सड़क हादसा हो गया। दुर्घटना में नरेश मेघवाल ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार रायणा के रेडाफला निवासी 29 वर्षीय नरेश पुत्र रामलाल मेघवाल ने बताया कि 14 नवंबर शाम करीब 6:30 बजे एक मोटरसाइकिल चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए दुर्घटना कर दी। हादसे के बाद चालक की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने अज्ञात मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) एवं 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है। प्रकरण में हेड कांस्टेबल जितेन्द्र अनुसंधान कर रहे हैं।

हाथीपोल में घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

उदयपुर। हाथीपोल थाना क्षेत्र के दैत्य मगरी स्थित लोढ़ा भवन के बाहर खड़ी एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई। मामले में उत्तर प्रदेश निवासी युवक ने अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार लखनऊ निवासी और वर्तमान में 31 लोढ़ा भवन, दैत्य मगरी में रहने वाले 23 वर्षीय दिव्यांशु तिवारी ने बताया कि 14 नवंबर की सुबह करीब 8:30 बजे उनकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई। काफी तलाश के बावजूद वाहन का पता नहीं चलने पर उन्होंने पुलिस की शरण ली। हाथीपोल थाना पुलिस ने 15 नवंबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया। प्रकरण में हेड कांस्टेबल धनराज जांच कर रहे हैं।

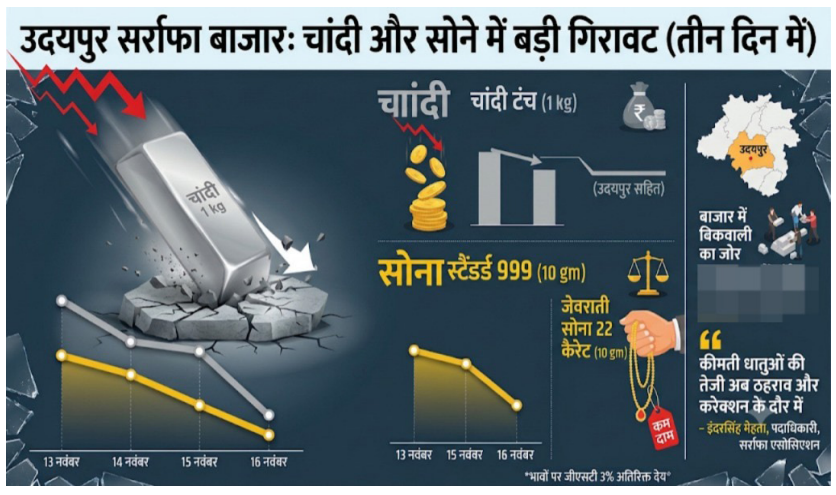
सेलिब्रेशन मॉल के बाहर से स्कूटी पार

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र में वाहन चोरों ने सेलिब्रेशन मॉल के बाहर खड़ी स्कूटी को निशाना बनाया। अज्ञात बदमाश स्कूटी लेकर फरार हो गया। पीड़ित ने घटना के करीब 27 दिन बाद पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार केशव विला, पुला रोड निवासी 29 वर्षीय अशोक पांचाल ने रिपोर्ट दी कि 19 अक्टूबर को सुबह करीब 11:30 बजे उनकी स्कूटी सेलिब्रेशन मॉल के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान अज्ञात चोर स्कूटी चुराकर ले गया। अपने स्तर पर तलाश करने के बाद भी वाहन का पता नहीं चलने पर उन्होंने सुखेर थाने में रिपोर्ट दी। पुलिस ने 15 नवंबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। प्रकरण में हेड कांस्टेबल सम्पती कुमारी अनुसंधान कर रही हैं।

अस्पतालों के बाहर प्रतिबंधित क्षेत्र में बेच रहे थे धूम्रपान सामग्री, दो के खिलाफ केस

उदयपुर। अस्पतालों के आसपास धूम्रपान निषेध क्षेत्र में तंबाकू और धूम्रपान सामग्री की बिक्री पर पुलिस ने कार्रवाई की है। शहर के दो अलग-अलग अस्पतालों के बाहर प्रतिबंधित क्षेत्र में सामग्री बेचने के आरोप में दो व्यक्तियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए हैं। पुलिस के अनुसार पहली कार्रवाई विक्टोरिया हॉस्पिटल के बाहर की गई। यहां वासा उथरदा, थाना गींगला, सलूम्बर निवासी 50 वर्षीय भीमराज पटेल को धूम्रपान निषेध क्षेत्र में धूम्रपान सामग्री बेचते पाया गया। इस पर सब इंस्पेक्टर देवेन्द्र सिंह की रिपोर्ट पर सवीना थाने में राजस्थान धूम्रपान प्रतिषेध अधिनियम की धारा 9/11 के तहत मामला दर्ज किया गया। इसी तरह दूसरी कार्रवाई गीतांजलि हॉस्पिटल के पास हुई। यहां पाटीदार रजवाड़ी चाय की दुकान पर धूम्रपान सामग्री बेचने के आरोप में आकोला, चित्तौड़गढ़ निवासी 34 वर्षीय गोविन्द कुमार छीपा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार प्रतिबंधित क्षेत्र में बिक्री का मामला सामने आने पर सब इंस्पेक्टर रविन्द्र पाटीदार की रिपोर्ट पर कार्रवाई की गई। दोनों मामलों में पुलिस जांच कर रही है।

तीन दिन में चांदी 10 हजार रुपये लुढ़की, सोना 2 हजार नीचे आया, बाजार में बिकवाली का जोर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सोना-चांदी की कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव के बीच बीते तीन दिन में उदयपुर के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों को सबसे बड़ा झटका लगा है। 13 नवंबर को 1 लाख 79 हजार 600 रुपये प्रति किलो बिक रही चांदी टंच 16 नवंबर को 1 लाख 69 हजार 500 रुपये पर आ गई। यानी महज तीन दिनों में एक किलो चांदी 10 हजार 100 रुपये सस्ती हो गई। सोने के भाव में भी गिरावट दर्ज हुई, हालांकि इसकी रफ्तार चांदी के मुकाबले धीमी रही। इससे बाजार में यह चर्चा तेज है कि हाल के महीनों में रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद कीमती धातुओं की तेजी अब ठहराव और करेक्शन के दौर से गुजर रही है। सर्राफा एसोसिएशन के पदाधिकारी इंदरसिंह मेहता ने बताया कि स्थानीय भावों पर नजर डालें तो 13 नवंबर को सोना स्टैंडर्ड 999 के भाव 1 लाख 37 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम थे, जो 16 नवंबर को घटकर 1 लाख 35 हजार रुपये रह गए। इस दौरान 23 कैरेट जेवराती सोना 1 लाख 31 हजार 520 रुपये से घटकर 1 लाख 29 हजार 600 रुपये और 22 कैरेट सोना 1 लाख 26 हजार 40 रुपये से कम होकर 1 लाख 24 हजार 200 रुपये पर आ गया। यानी तीन दिन में 22 कैरेट सोना 1,840 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ। चांदी चौरसा के भाव भी 1 लाख 78 हजार 600 रुपये से गिरकर 1 लाख 68 हजार 500 रुपये प्रति किलो रह गए। गिरावट का रुख 14 नवंबर के भावों में भी दिखाई दिया था। उस दिन चांदी टंच 1 लाख 76 हजार रुपये और चौरसा 1 लाख 75 हजार रुपये प्रति किलो थी। सोना स्टैंडर्ड 1 लाख 36 हजार 900 रुपये, 23 कैरेट 1 लाख 31 हजार 425 रुपये और 22 कैरेट 1 लाख 25 हजार 950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। इसके बाद 16 नवंबर तक चांदी में एक बार फिर तेज गिरावट आई। खास बात यह है कि सोने में 13 से 14 नवंबर के बीच मामूली कमी आई, लेकिन 16 नवंबर को गिरावट कुछ तेज हुई। राष्ट्रीय स्तर पर भी कीमतों में यही दबाव नजर आया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 16 नवंबर को चांदी का भाव एक दिन में 7,749 रुपये टूटकर करीब 1.70 लाख रुपये प्रति किलो रह गया, जबकि 24 कैरेट सोना 838 रुपये गिरकर करीब 1.34 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। महीने की शुरुआत से अब तक चांदी करीब 17 हजार और सोना लगभग 6 हजार रुपये सस्ता हो चुका है। उदयपुर के स्थानीय भाव और राष्ट्रीय बेंचमार्क में मामूली अंतर स्थानीय सर्राफा एसोसिएशन के रेट, खरीद मूल्य और बाजार की परिस्थितियों के कारण रहता है। स्थानीय भावों पर जीएसटी 3 प्रतिशत अतिरिक्त देय है। इस गिरावट को बड़ी तस्वीर में देखें तो इस साल सोना-चांदी ने असाधारण तेजी भी दिखाई और अब उतनी ही तीखी गिरावट का दौर भी देखा है। उपलब्ध राष्ट्रीय आंकड़ों के मुताबिक चांदी 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपये प्रति किलो के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंची थी। वहां से अब तक इसकी कीमत करीब 2.16 लाख रुपये नीचे आ चुकी है। इसी तरह सोना जनवरी में 1.76 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद करीब 42 हजार रुपये सस्ता हुआ है। हालांकि अलग-अलग बाजारों और शुद्धता के आधार पर भावों में अंतर रहता है।

मृत देह को पहला गुरु मान एमबीबीएस विद्यार्थियों ने ली शपथ, कहा- गरिमा और गोपनीयता का रखेंगे पूरा ध्यान



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। मेडिकल कॉलेज में सोमवार को एमबीबीएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कैडेवरिक ओथ (मृत देह शपथ) समारोह आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने पार्थिव देह को चिकित्सा शिक्षा का पहला और मौन गुरु मानते हुए उसके प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और गोपनीयता बनाए रखने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों ने शपथ ली कि वे इस शिक्षा का उपयोग मानवता की सेवा के लिए करेंगे और अध्ययन के दौरान पार्थिव देह की गरिमा का पूरा ध्यान रखेंगे।

एनाटॉमी विभाग की ओर से आयोजित समारोह में विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ आचार्य डॉ. हितेश बाबेल ने कहा कि देहदान करने वाले लोग चिकित्सा शिक्षा के सबसे बड़े महादानी हैं। उनकी पार्थिव देह से ही मेडिकल विद्यार्थी मानव शरीर की संरचना और चिकित्सा विज्ञान की बुनियादी जानकारी हासिल करते हैं। ऐसे में प्रत्येक विद्यार्थी का दायित्व है कि वह इस मौन गुरु के प्रति पूरी श्रद्धा और सम्मान रखे।

एनाटॉमी विभाग के आचार्य एवं नोडल अधिकारी डॉ. अजय परमार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने डिसेक्शन हॉल में पार्थिव देह को प्रणाम कर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से कैडेवरिक ओथ ली। समारोह ने विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के साथ मानवीय संवेदनशीलता, नैतिक जिम्मेदारी और देहदान के महत्व का संदेश दिया।

जैन जागृति सेंटर महिला शाखा की धार्मिक यात्रा में 40 सदस्याओं ने किए तीर्थ दर्शन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जैन जागृति सेंटर की महिला शाखा की ओर से आयोजित दो दिवसीय धार्मिक यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुई। यात्रा में 40 सदस्याओं के दल ने विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और आध्यात्मिक वातावरण में समय बिताया। संरक्षिका पिंकी मंडावत, अध्यक्ष कुसुम भंसाली एवं कोषाध्यक्ष वीणा मेहता के नेतृत्व में निकले दल ने शिवगंज जैन मंदिर, रांटा महावीर जी तीर्थ तथा जवाई बांध क्षेत्र के दर्शन किए। यात्रा के दौरान सदस्याओं ने सामूहिक भक्ति, धार्मिक चर्चाओं और पूजा-अर्चना में भाग लेकर धर्मलाभ लिया। अध्यक्ष कुसुम भंसाली ने कहा कि धार्मिक यात्राएं केवल तीर्थ दर्शन तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का माध्यम भी बनती हैं। ऐसे सामूहिक आयोजनों से सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, सौहार्द और संगठनात्मक एकजुटता को भी मजबूती मिलती है। यात्रा के सफल आयोजन पर सभी सदस्याओं ने प्रसन्नता जताई।

अनुसंधान और अभियोजन में पुलिस की मदद करेगी 'विधि दर्पण' पुस्तिका



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने अनुसंधान अधिकारियों को कानूनी प्रावधानों और न्यायिक फैसलों की व्यावहारिक जानकारी देने के लिए 'विधि दर्पण' पुस्तिका प्रकाशित की है। पुलिस मुख्यालय में सोमवार को डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने इसके प्रथम अंक का विमोचन किया। पुस्तिका में सुप्रीम कोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट के चयनित महत्वपूर्ण निर्णयों के साथ अनुसंधान, साक्ष्य संकलन और अभियोजन से जुड़ी उपयोगी जानकारियां शामिल हैं। इसमें नवीन और पुराने कानूनों की समतुल्य धाराओं की सारणी तथा दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय न्याय संहिता की महत्वपूर्ण धाराओं का भी उल्लेख है। पुस्तिका की प्रधान संपादक सीआईडी-सीबी आईजी के.बी. वंदना और संपादकीय सहयोग में डीआईजी (क्राइम) राशि डोगरा डूडी के विशेष आलेख भी प्रकाशित किए गए हैं। इसका प्रकाशन हर तीन माह में होगा। विमोचन के दौरान डीजी (कानून व्यवस्था) संजय अग्रवाल, डीजी (स्पेशल ऑपरेशन) आनंद श्रीवास्तव, डीजी (ट्रैफिक) मालिनी अग्रवाल और एडीजी (क्राइम) बिपिन पाण्डेय सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

कलाल समाज ने 150 प्रतिभाओं और जनप्रतिनिधियों का किया सम्मान, महापौर की अपील पर शहर विकास में सहयोग का संकल्प



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सहस्त्रबाहु जयंती की पूर्व संध्या पर कलाल समाज मेवाड़ की ओर से परमानंद गार्डन में जनप्रतिनिधि एवं विशिष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मेवाड़ सहित आसपास के जिलों से करीब 750 समाजजनों ने भाग लिया। इस दौरान नवनिर्वाचित और पूर्व जनप्रतिनिधियों के साथ चिकित्सा, खेल, शिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले करीब 150 समाजजनों का सम्मान किया गया। समारोह में कोटड़ा, ओगणा, झाड़ोल, थूर, मदार, सलूंबर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, धरियावद, राजसमंद, भीलवाड़ा, भोपाल सागर और चित्तौड़गढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों से समाज के प्रतिनिधि पहुंचे। कार्यक्रम की शुरुआत आराध्य देव भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और आरती के साथ हुई। बालकृष्ण सुहालका और धारावती सुहालका ने अतिथियों एवं समाजजनों का तिलक लगाकर और उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैलाश चौधरी बड़ी सादड़ी ने की। मुख्य अतिथि न्यायाधीश विजय टांक, पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, महापौर पारस सिंघवी, उपमहापौर दिनेश भट्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ और कांग्रेस जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। संयोजक कैलाश चौधरी और किशन टांक ने कहा कि समाज की एकता मजबूत करने, प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और नई पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी हैं।

शहर के विकास में समाज से मांगा सहयोग

महापौर पारस सिंघवी ने कहा कि शहर का विकास केवल नगर निगम या प्रशासन के प्रयासों से संभव नहीं है, इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने उदयपुर को स्वच्छ और अतिक्रमण मुक्त बनाने की मुहिम में समाजजनों से सहयोग का आह्वान किया। इस पर मौजूद समाजजनों ने शहर के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की सहमति जताई। समारोह में नवनिर्वाचित एवं पूर्व वार्ड पंच, सरपंच, पार्षद, सभापति और उपसभापतियों को पगड़ी, शॉल, उपरणा और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। डूंगरपुर भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक पटेल और धरियावद नगर पालिका अध्यक्ष रेखा चौधरी सहित विभिन्न निकायों के जनप्रतिनिधियों का भी अभिनंदन किया गया।

डॉक्टरों और खिलाड़ियों सहित 150 प्रतिभाओं का अभिनंदन

विशिष्ट प्रतिभा सम्मान के तहत समाज के करीब 150 लोगों को सम्मानित किया गया। इनमें न्यूरो सर्जन डॉ. गौरव जायसवाल, फिजिशियन डॉ. हेमंत माहुर और डेंटल सर्जन कीर्ति चौधरी सहित चिकित्सा क्षेत्र में सेवाएं दे रहे चिकित्सक, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तथा अन्य क्षेत्रों में समाज का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाएं शामिल रहीं। सम्मानित होने वालों को पगड़ी, उपरणा और स्मृति चिह्न भेंट किए गए। कार्यक्रम में कथक आश्रम के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। वहीं भोजन व्यवस्था में भी सामाजिक संदेश को स्थान दिया गया। भोजन काउंटरों पर 'इतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में' के संदेश वाले बैनर लगाए गए, ताकि अन्न की बर्बादी रोकी जा सके। समारोह का संचालन सूर्यप्रकाश सुहालका और मनोहर चौधरी ने किया।

कलम-दवात पूजन में माथुर समाज ने की भगवान चित्रगुप्त की आराधना, संगीतमय कथा ने बांधा समां



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री चित्रगुप्त सभा माथुर समाज की ओर से सेक्टर-4 स्थित समाज भवन में कायस्थ समाज के आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त का कलम-दवात पूजन एवं संगीतमय कथा श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित की गई। धार्मिक अनुष्ठान में समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की उत्साहपूर्ण मौजूदगी से आयोजन में सामाजिक सहभागिता का रंग भी नजर आया। समाज के उपाध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद माथुर ने बताया कि पूजन एवं कथा के यजमान प्रदीप चंद और साधना माथुर रहे। कायस्थ समाज के पंडित लोकेश भटनागर ने वैदिक विधि-विधान के साथ पूजन संपन्न कराया। इसके बाद संगीतमय कथा का आयोजन हुआ। कथा के दौरान भगवान चित्रगुप्त के धार्मिक महत्व और आराधना से जुड़े प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भक्तिभाव से जोड़े रखा। पूरे कार्यक्रम के दौरान समाज भवन में भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। आयोजन के समापन पर सभी समाजजनों के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के जरिए धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के साथ समाज में आपसी मेलजोल, एकता और सौहार्द का संदेश भी दिया गया।

लेकसिटी में चार मुमुक्षुओं का वरघोड़ा निकाल किया अभिनंदन, संयम मार्ग पर बढ़ाएंगे कदम



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 नवम्बर । जैन धर्म के पावन संयम मार्ग पर अग्रसर होने जा रहे चार मुमुक्षुओं के सम्मान में सोमवार को सुभाष नगर में भव्य वरघोड़ा एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। सांसारिक मोह-माया का त्याग कर जैन दीक्षा अंगीकार करने जा रहे चारों दीक्षार्थियों के त्याग, तपस्या और वैराग्य भाव को नमन करते हुए जैन समाज ने उनका भावपूर्ण बहुमान किया। सुभाष नगर जैन सोसायटी श्रीसंघ के अध्यक्ष राकेश नंदावत ने बताया कि इस अवसर पर मुमुक्षु दिलीप भाई 47 वर्ष, ज्योति बेन 45 वर्ष, छवि बेन 22 वर्ष एवं चार्वी बेन 14 वर्ष के संयम मार्ग पर अग्रसर होने को समाज के लिए गौरव एवं प्रेरणा का क्षण बताया गया। चारों मुमुक्षुओं के त्याग और वैराग्य की भावना की उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने अनुमोदना की। कार्यक्रम का आयोजन 140, सुभाष नगर, लेन नंबर 6 से प्रात: 10.30 बजे प्रारंभ हुआ। वरघोड़े का समापन प्रात: 11.30 बजे महावीर भवन, सुभाष नगर गली नंबर 3, पोरवाल किराना रोड पर हुआ। आयोजन के लाभार्थी कुंदन चंडालिया परिवार रहे। इस अवसर पर सुभाष नगर जैन सोसायटी श्रीसंघ की ओर से चारों दीक्षार्थियों का बहुमान एवं अभिनंदन किया गया। समारोह में महापौर पारस सिंघवी एवं क्षेत्रीय प्रमोद सामर बतौर अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में सुभाष नगर जैन सोसायटी श्रीसंघ के अध्यक्ष राकेश नंदावत, उपाध्यक्ष मनीष नागौरी, महामंत्री हेमंत कोठारी, मंत्री सुरेश जैन, गगन तलेसरा, प्रकाश जैन एडवोकेट, निर्मल भंडारी एवं शांतिलाल कदमलिया सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। अमित लोढ़ा सहित अन्य समाजजनों ने भी दीक्षार्थियों का अभिनंदन कर उनके संयम जीवन की मंगलकामना की। समारोह में उपस्थित समाजजनों ने कहा कि सांसारिक सुख-सुविधाओं और मोह-माया का त्याग कर संयम का मार्ग अपनाना अत्यंत कठिन एवं महान निर्णय है। चारों मुमुक्षुओं का यह कदम समाज के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का संदेश है। सभी ने उनके उज्जवल संयम जीवन एवं आध्यात्मिक साधना की सफलता के लिए मंगल कामना व्यक्त कीं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।